

1713126

पत्रां पेश इति वक्तु उपर। वाली वहील द्वारा
शेष प्रतिवादीगण की तस्वी की मॉडल
चाह गया। पूर्व में अनेक अवसर दिए
जा चुके हैं। अन्य अवसर दिया जाना
रचित नहीं है। अतः पावा अवसर
में इसी स्तर पर 1000 रु के तहत
स्वार्थज किया जाता है। पत्रां फूसल
शुमार लेकर दारिजल दफ्तर हो।

पत्रां पेश इति वक्तु उपर। वाली वहील द्वारा
शेष प्रतिवादीगण की तस्वी की मॉडल
चाह गया। पूर्व में अनेक अवसर दिए
जा चुके हैं। अन्य अवसर दिया जाना
रचित नहीं है। अतः पावा अवसर
में इसी स्तर पर 1000 रु के तहत
स्वार्थज किया जाता है। पत्रां फूसल
शुमार लेकर दारिजल दफ्तर हो।